पुरातत्व विभाग › निविदाओं में प्रतिस्पर्धा खत्म करने की कवायद

...और पासा उलटा पड़ गया

जयपुर

jaipur@patrika.com

पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने निविदा की शर्त में बदलाव तो विभाग में काम कर रहे छोटे ठेकेदारों को निविदा से बाहर रखने के लिए किया, लेकिन पासा उलटा पड़ गया और बदली हुई शर्त से बड़े चहेते ठेकेदार भी निविदा की दौड़ से बाहर हो गए। अब ठेकेदार विभाग के निदेशक पर पहले वाली शर्त लागू करने या फिर इन निविदाओं को निरस्त करने के लिए दबाव डाल रहे हैं। पुरातत्व विभाग ने प्रदेश के प्राचीन महलों, किलों, मंदिरों, तलाबों आदि के जीर्णोद्धार के लिए 42.8 करोड़ की ये निविदाएं इसी माह निकाली थीं।

शर्त में बदलाव

ठेकेदारों ने बताया कि निविदाओं की एक शर्त में बदलाव से लगभग सभी ठेकेदार निविदा की दौड़ से बाहर हो गए हैं। इस शर्त में एकल कार्य का पेंच जोड़ा गया है और वही पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकता है, जिसे विगत पांच वर्षों में से किसी एक वर्ष में इस कार्य के एक तिहाई मूल्य के समान एक कार्य पूरा करने का (एकल कार्य) अनुभव हो। पहले विभाग में पंजीकृत और अपंजीकृत ठेकेदारों को विगत पांच वर्षों में से किन्हीं दो वर्षों में प्रस्तावित कार्य के प्रकार और मूल्य के एक-एक तिहाई मूल्य का कार्य किया होने पर अनुभव के आधार पर निविदा में शामिल किया जाता था।

यह पड़ेगा असर

शर्तों में फेरबदल का यह असर 4 से 6 करोड़ तक की निविदाओं पर रहेगा। उदाहरण के लिए 4 करोड़ की निविदा के लिए ठेकेदार को करीब 1.30 करोड़ से अधिक का काम एक वर्ष में पूरा करने का प्रमाणपत्र चाहिए, लेकिन पहले विभाग में इतने बड़े ठेके कभी निकले ही नहीं, जिनका प्रमाणपत्र ठेकेदार लगा सकें। विभाग के सूत्रों का कहना है कि पूर्व में भी पुरातत्व विभाग में कम अंतराल में हुई और एक समान कार्य की निविदा दरों में काफी अंतर सामने आ चुका है।

बोलने से बच रहे अधिकारी

शर्त में बदलाव और नियमित ठेकेदारों के निविदा से बाहर हो जाने के मामले में जब पुरातत्व विभाग के अधिशासी अभियंता एल.के. गुप्ता से जानकारी चाही गई तो उनका कहना था कि 'यह सारे काम विभाग के निदेशक से मंजूर होकर आए हैं, इसलिए इनके बारे में वही कुछ बता सकते हैं। मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता।' बाद में जब पुरातत्व विभाग के निदेशक हृदयेश कुमार शर्मा से फोन पर जानकारी चाही गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

यहां की निकाली निविदाएं

स्थान	निविदा राशि (करोड़ों में)
गागरोन किला, झालावाड़	4.50
गढ़ पैलेस	4.00
प्राचीन अवशेष, दलहनपुर, झालावाड़	5.80
प्राचीन अवशेष, मऊबोरदा, झालावाड़	3.25
हेरिटेज वॉक, सांभर	2.80
शर्मिष्ठा सरोवर, नलियासर, शाकंभरी मंदिर, सांभर	2.80
देवयानी कुंड, सांभर	2.30
दादू पालका मंदिर, मैराना व गरुड़द्वारा, नरैना	3.70
वैर किला भरतपुर	4.60
सफेद महल, भरतपुर	4.60
डीग किला, भरतपुर	4.45